S-VI
COUN. PSY
CORE-XIV

परामर्श दाता के गुण
TRAITS OF COUNSELLOR

classmate
Date
Page

विशिष्ट एवं सुनिश्चित परिस्थितियों में ही परामर्श प्रदान किया जाता है। इसके लिए परामर्श देने वाले व्यक्ति में विभिन्न प्रकार के कौशलों एवं योग्यताओं का होना आवश्यक होता है। पूर्णतया प्रशिक्षित तथा व्यवसाय के प्रति निष्ठावान व्यक्ति ही इस प्रक्रिया को संपन्न कर सकता है। प्रार्थी में अपना विश्वास उत्पन्न करके उसे सहज और निःसंकोच रूप से अपनी बात कह देने के लिए प्रेरित कर देना ही स्वयं में एक ऐसी योग्यता है जिसका विकास सहज ही संभव नहीं है-

एक सफल परामर्शदाता में निम्नलिखित प्रमुख गुणों का होना आवश्यक है -

1. परामर्श दाता में अच्छे पारस्परिक संबंधों को विकसित करने का गुण होना चाहिए जैसे - दूसरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखना, अपने विचारधारा की अपेक्षा दूसरों के दृष्टिकोण के प्रति सहिष्णुता रखना, व्यक्तियों को समझना एवं स्वीकार करना, सामाजिक संवेदनशीलता, ईमानदारी, निष्ठा, व्यक्तियों से मिलने जुलने की योग्यता, व्यक्तियों में रुची रखना, पारस्परिक संबंधों में सौहार्द्र इत्यादि गुणों से एक परामर्शदाता को सुसज्जित होना चाहिए।

2. दूसरे व्यक्ति को प्रभावित करने तथा नेतृत्व करने की कुशलता के अतिरिक्त एक कुशल परामर्शदाता को अन्य व्यक्तियों को सहयोग करने की कला में निपुण होना चाहिए।

3. एक कुशल परामर्शदाता को स्वस्थ, मृदुभाषी, आकर्षक रूप रंग, स्वच्छता इसके अलावे परामर्शदाता का व्यवहार भी ऐसा होना चाहिए जिससे अन्य व्यक्ति मजाक न उड़ाये।

4. परामर्शदाता को अपने निकटस्थ के आर्थिक एवं सांस्कृतिक जगत की जानकारी होनी चाहिए। विशेषतः व्यवसायिक जगत की विस्तृत जानकारी भी होनी चाहिए भांति के परामर्शदाता का सामान्य ज्ञान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों की

Scanned with CamScanner

की अपेक्षा सम्पूर्ण होना चाहिए।

5. परामर्शदाता के सामंजस्य के अतिरिक्त विशिष्ट गुणों का भी होना आवश्यक है जैसे- संतुलित व्यक्तित्व व्यवसाय के प्रति निष्ठा, सहानुभूति सहयोग सहिष्णुता वस्तुनिष्ठता इत्यादी इसके इन्हें विवेकशील इसको व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील तथा उत्साही भी होना चाहिए।

6. परामर्शदाता को विशिष्ट तकनीकों का उपयोग करने में कुशल होना चाहिए जैसे- साक्षात्कार की तकनीक नियोजन तथा स्थानापन्न की तकनीक इसके अतिरिक्त इन्हें व्यावसायिक सूचनाएं संग्रहीत करने तथा उनके वितरण व मापन परीक्षण की भी जानकारी होनी चाहिए।

7. परामर्शदाता के व्यवसाय का क्षेत्र काफी विशिष्ट होता है अतः इन्हें इन विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित विशिष्ट जानकारी भी होनी चाहिए साथ में भविष्य में उत्पन्न होने वाले रोजगारों के साथ यह भी ज्ञात होना चाहिए कि उन विभिन्न व्यवसायों हेतु कौन - २ सी योग्यताएं एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त परामर्शदाता को व्यक्तियों की मनोवैज्ञानिक न्यूनताओं उनके संस्कारों एवं स्वभाव के बारे में भी गहन जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

8. परामर्शदाता में इतना कौशल होना चाहिए कि वह अनुभव या औपचारिक शिक्षण द्वारा अर्जित ज्ञान का उपयोग कर सकने में समर्थ हो इसलिए इन्हें बौद्धिक रूप से अधिक सक्रिय रहने की आवश्यकता होती है।

9. स्वयं की न्यूनताओं की जानकारी आमोद प्रमोद पूर्वानुभवों से लाभ उठाने की योग्यता, आत्म विश्वास स्वयं की समस्याओं के निराकरण हेतु विवेकपूर्ण दर्शन स्वयं के बारे में ज्ञान यदि कोई लाभार्थी परामर्शदाता के किसी बात का अन्य अर्थ लगा ले तो उसे सहिष्णुता के साथ स्पष्ट कर सकने

Scanned with CamScanner

की योग्यता व्यक्तिव समायोजन के अंतर्गत सम्मिलित की जाती है।

10. वृत्तिक दृष्टिकोण प्रेरणा - भाव शिक्षा के कार्य हेतु निष्ठा एवं उत्साह वृत्तिक नैतिकता के प्रति गहन भावना, वृत्ति विकास, कर्तव्य एवं के निर्धारित समय के अलावा भी कार्य करने की इच्छा, निर्देशन कार्य मे रुची लेना तथा उपबोधन को सहायता प्रदान करने वाले संबंध के रूप मे कार्य करना

11. स्वास्थ्य जीवन दर्शन नागरिकता का भाव समावेशन तथा मान्य मूल्य व्यवस्था उत्तम आचरण रुचियां एवं सौन्दर्य बोध तथा मानव प्रकृति मे आस्था होनी चाहीए।

12. उच्च ~~परिष्कृत~~ परिष्कृत सामाजिक अभिरुचियां बुद्धि कार्य क्षमता अभिक्षमताओं के प्रति झुकाव, तथ्यों का आदर सामाजिक संस्कृतिक व्यवहारिक निर्णय, सामान्य बुद्धि गुणों का परामर्शदाता मे होना अनिवार्य है।

इन गुणो के अतिरिक्त परामर्श दाता के कुछ कार्य भी है —

1. परामर्शदाता को सदैव अपनी सीमा या क्षेत्र का ध्यान रखना चाहीए और उससे बाहर जाने की चेष्टा नही करनी चाहीए।

2. परामर्शदाता का यह भी कर्तव्य हो जाता है कि वह लाभार्थी पर कोई समस्या न थोपे।

3. एक कुशल परामर्शदाता का का प्रमुख लक्ष्य लाभार्थी को समस्या से परिचित करना है

4. एक अच्छे परामर्शदाता को किसी वस्तु को सही करने वाले के रूप मे कार्य करना चाहीए।

5. परामर्शदाता को लाभार्थी के समक्ष समस्त संभावनाओं को प्रस्तुत कर देना चाहीए

6. परामर्शदाता को सदैव यह ध्यान रखना चाहीए कि अंतिम निर्णय लाभार्थी को ही लेना है।

Scanned with CamScanner

7. एक सफल परामर्शदाता को लाभार्थी की समस्या के विभिन्न पहलूओं पर विचार करना चाहीए

8. परामर्श दाता को शिक्षा व व्यवसाय के मार्ग बंद कर देने से पहले अन्य मार्ग खोल देना चाहीए।

इसके अतिरिक्त एक सफल परामर्शदाता को यह भी चाहीए कि वह लाभार्थी के बारे पूर्ण आँकड़ा प्राप्त कर ले साथ ही व्यवसायों से से संबद्ध सूचना और ~~[illegible]~~ यौगिक लेख्या तथा ~~[illegible]~~ प्रशिक्षण सुविधाओं से संबंधित सूचनाएं संकलित कर साक्षात्कारों की समुचित व्यवस्था कर ले।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि कुशल परामर्श दाता के कौन शीलगुण एवं कार्य होते हैं जिनके कुछ प्रमुख का ऊपर वर्णन किया गया है।